(c) and (d) The flight has been introduced to tap the market potential between India and Western Australia as also between Singapore and Perth.

(e) and (f) Services to new destinations are introduced by Air India on the basis of its commercial judgement keeping in view the traffic potential and economic viability.

Introduction of Helipcopter Service in the North-Eastern States

2175. SHRI HIPHEI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have received requests to introduce helicopter services in the North Eastern States;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have taken any action on these requests; and

(d) if so, the details thereof; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (d) Pursuant to request received from various States it has been decided to connect less accessible towns of North Eastern States through helicopter service, to be operated by Pawan Hans Limited, initially on a limited scale with two helicopters, to serve interior areas of Arunachal Pradesh & Nagaland.

The routes proposed to be operated in the region, which would be subject to finalisation in consultation with North Eastern Council and respective States are given in the statement, (*see* below).

In the absence of a firm commitment from Government of Nagaland for provision of infrastructural arrangement, the helicopter service is initially porposed to be started in Arunahcal Pradesh from June 1995 subject to availability of helicopter.

STATEMENT

The Places Proposed to be Connected by Helicopter Service in the North Eastern Region (Not Final)

KOHIMA BASE

KOHIMA-MOKOCHUNG- TUENSANG-MOKOCHUNG-WOKHA- KOHIMA

KOHIMA-MOKOCHUNG-MON-MOKOKCHUNG-KOHIMA-JORHAT

KOHIMA-PHEK-ZUNHOBUTO- KOHIMA

KOHIMA-UKHRUL-IMPHAL-TAMENGLONG-JIRIBAN-SILCHAR-

JIRIBAN-TAMENGLONG-IMPHAL-UKHRUL-KOHIMA

DIBRUGARH BASE

DIBRUGARH-PASSIBHAT-TUTING-PASSIGHAT-DIBRUGARH

DIBRUGARH-ALONG-DIBRUGARH

DIBRUARH-ROING-AMINI-ROING-DIBRUGARH

DIBRUGARH-DAPARIZO-LIMKING-DAPARIZO-DIBRUGARH

DIBRUGARH-HANAJAR-TEZPUR-ITANAGAR-DIBRUGARH

Dabolim Airport at Goa

2176. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) by when the new extension building at Dabolim Goa Airport is likely to be completed; and

(b) what was the scheduled date for its commissioning and what is the period of delay and the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) The International Block is likely to be completed by May, 1995 and the domestic block by May, 1996.

(b) The Scheduled date of commissioning of international and domestic block was October, 1995. The delay is due to change in design in foundation of elevated road and shifting of Naval Gate.

Purchase of Helicopter and Aircraft by Tamil Nadu

2177. SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government

of Tamil Nadu has placed order to buy a helicopter and an aircraft;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what would be maintenance cost including the charge for availing Bay Facility;

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) An import licnece has been issued in favour of Tamil Nadu Government on 29.3.1994 for import of one Bell 412 EP Helicopter with armoured plates and one Cessna Citation V Aeroplane for a CIF Value of Rs. 41.42 Crores.

(c) The information is being collected from the Governmet of Tamil Nadu and will be laid on the Table of the House.

सरकारी विमान कंपनियों में यात्रियों की संख्या में वृद्धि

2178. **श्री अजीत जोगी:**
श्री सुशील बरोंगपा:

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या निजी विमान कंपनियों के आरंभ किये जाने के बाद से सरकार विमान कंपनियों में यात्रियों की संख्या में [illegible] है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान की यात्रियों की संख्या की तुलना में गत वर्ष उनके यात्रियों की संख्या कितनी थी; और

(ग) क्या इसके परिणामस्वरूप सरकारी क्षेत्र की एयरलाइनों के घाटे में कमी आई है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) जी, नहीं। विगत चार वर्षों में इंडियन एयरलाईंस/एयर इंडिया द्वारा व अन्तर्राष्ट्रीय और अंतर्देशीय सैक्टरों पर वहित यात्रियों की संख्या निम्नवत है:-

वर्ष	इंडियन एयरलाईंस	एयर इंडिया
1991-92	8886000	2004487
1992-93	7821000	2201449
1993-94	7891000	1812862
1994-95 (अनुमानित)	7660000*	1977668

*तुलना हेतु समानुपातिक रूप से 12 माह के लिए समायोजित

(ग) जी, नहीं।

भारत पर्यटन विकास निगम के होटलों में रिक्त पद

2179. **श्री अनन्त राम जायसवाल:**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय:

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पर्यटन विकास निगम के अंतर्गत चल रहे विभिन्न होटलों में किस-किस श्रेणी के कितने-कितने पद किन-किन होटलों में कब से रिक्त पड़े हैं;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने इन पदों को भरने हेतु कोई कार्रवाई करने की बजाय कार्य को ठेके के आधार पर कराने का निर्णय किया है; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन होटलों के कर्मचारियों/श्रमिकों को वर्ष 1996 से मूल वेतन पर दिए जाने वाले मकान और नगर भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है, यदि हां, तो किन-किन होटलों में कितने-कितने कर्मचारियों को यह भुगतान नहीं किया गया; और

(घ) क्या सरकार इन भत्तों का शीघ्र भुगतान करने के बारे में तुरंत विचार करेगी?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) भारत पर्यटन विकास निगम के पदों का वर्गीकरण "क", "ख", "ग" और "घ" ग्रुपों में किया गया है। 31.12.94 की स्थिति के अनुसार भारत पर्यटन विकास निगम के होटलों की "ख", "ग" और "घ" श्रेणियों के अन्तर्गत रिक्त पदों की स्थिति को दर्शाने वाला एक विवरण-पत्र अनुबंध में दिया गया है। जहां तक श्रेणी "क" के पदों का संबंध है, पूरे देश में कार्यपालकों की स्थानांतरणीयता के कारण, स्वीकृत संख्या का रख-रखाव और नियंत्रण निगमित स्तर पर किया जाता है। इसलिए, इस श्रेणी के रिक्त पदों की स्थिति विवरण में नहीं दर्शाई गई है। (नीचे देखिए)

तथापि, "ख", "ग" और "घ" श्रेणियों में पदों की रिक्त स्थिति की ठीक-ठीक तारीख/अवधि को दर्शाना संभव नहीं है क्योंकि रिक्त पदों को पदोन्नति चैनल के माध्यम से ही भरे जाने हेतु सुरक्षित किया हुआ है और होटलों में विभिन्न पद एक एकक से दूसरे एकक में स्थानान्तरणीय हैं जो पदोन्नति और पदावनति आदि करके समयोजिनीय होते हैं।

(ख) जी, नहीं। रिक्त पदों को प्रचालनात्मक/प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर भरा जाता है। तथापि, निगम की व्यवसाय संबंधी रुचियों को ध्यान